नमस्कार मित्रो, आज मैं आपको **Sant Surdas Biography In Hindi** बताने जा रहा हूँ। आप नीचे **Surdas Biography In Hindi in Short** पढ़ सकते हैं।

Surdas Ka Biography In Hindi / सूरदास का जीवन परिचय हिंदी में

[lwptoc]

सूरदास जी **15वी शताब्दी** के कवि और संगीतकार थे। उनकी प्रसिद्धि चारो तरफ फैली हुई थी। सूरदास जी अंधे थे और इसीलिए उन्हें सूरदास कहा जाने लगा। सूरदास जी भक्ति काल के प्रमुख कवियों में से एक थे। **भक्ति काल की अवधि 1343ई. से 1643ई. थी।**

Surdas Biography Hindi - सूरदास जी का जीवन परिचय

सूरदास जी का पूरा नाम ----- सूरदास।

सूरदास जी का जन्म ------ 1478 ईस्वी।

सूरदास जी की मृत्यु ------- 1580 ईस्वी।

सूरदास जी का जन्मस्थान ----- रुनकता।

सूरदास जी के पिता का नाम ------ रामदास सारस्वत।

सूरदास जी के गुरु ------ बल्लभाचार्य।

सूरदास जी की रचनाये ------ सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य-लहरी, व्याहलो और नल-दमयंती।

Biography of Surdas in Hindi

महान कवि सूरदास जी का जन्म 1478 ईस्वी में रुनकता नामक गांव में हुआ था। हालांकि सूरदास जी के जन्म और मृत्यु के समय के बारे में कोई स्पष्ट आकलन नहीं है, लेकिन **1478 ईस्वी** की मान्यता सर्वाधिक है।

रुनकता गांव उत्तर प्रदेश के मथुरा-आगरा मार्ग के किनारे स्थित है। इस गांव को लेकर भी कुछ विद्वानों में मतभेद है। उनका कहना है कि सूरदास जी का जन्म सीही गांव में हुआ और फिर उनका परिवार आगरा-मथुरा के बीच गऊघाट नामक गांव में रहने लगे।

अधिकतर विद्वानों का मानना है कि सूरदास जी जन्म से अंधे थे लेकिन उनकी रचनाओं को देखकर विद्वानों के उनके जन्म से अंधे होने में मतभेद है।

अलग पुस्तकों में अलग-अलग वर्णन दिए गए है। "चौरासी वैष्णव का की वार्ता" के अनुसार सूरदास जी का जन्म रुनकता नामक गांव में हुआ था, जबकि "भावप्रकाश" में सूरदास जी का जन्मस्थान सीही नामक गांव बताया गया है।

सूरदास जी के पिता का नाम रामदास सारस्वत था। वे एक गरीब ब्राह्मण थे और सूरदास जी का बचपन गऊघाट में बीता। सूरदास जी के पिता रामदास एक गायक थे।

सूरदास जी की शिक्षा-दीक्षा

सूरदास जी की शिक्षा-दीक्षा गऊघाट में हुई। जब एक बार वे वृन्दावन की यात्रा पर जा रहे थे तो उनकी मुलाकात बल्लभाचार्य जी से हुई और उस मुलाकात के बाद सूरदास जी बल्लभाचार्य के शिष्य बन गए।

यहां सबसे बड़ी बात यह थी कि बल्लभाचार्य जी और सूरदास जी के उम्र में महज 10 दिन का अंतर था। बल्लभाचार्य जी ने ही सूरदास जी को अपने सानिध्य में सही मार्गदर्शन देकर कृष्ण भक्ति की तरफ प्रेरित किया।

सूरदास जी की रचनाये और भाषा शैली

सूरदास जी अपने गुरु बल्लभाचार्य जी से शिक्षा लेने के बाद पूरी तरह से कृष्ण भक्ति में लीन हो गए। सूरदास जी की 5 प्रमुख रचनाये है, जिनके बारे में नीचे बताया जायेगा। सूरदास जी की भाषा शैली ब्रज थी। चलिए अब एक-एक करके सूरदास जी की प्रमुख रचनाओं के बारे में जानते है।

1- सूरसागर

सूरसागर सूरदास जी की सबसे प्रसिद्ध रचना है। कहा जाता है कि सूरसागर में सवालाख पद थे, लेकिन वर्तमान समय में इसमें 7 से 8 हजार पद बचे हुए है।

अलग-अलग स्थानों पर इसकी 100 से अधिक प्रतिलिपि प्राप्त हुई है। वर्तमान समय में कुल 12 अध्याय है। जिसमे से 11 संक्षिप्त रूप में और 10 वा बहुत विस्तार से मिलता है। इस ग्रंथ में भक्ति रस की प्रधानता है। सूरसागर के बारे में कवि हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने कहा है कि "

सूरसारावली

सूरसारावली में 1107 छंद है। इसकी रचना सूरदास जी ने 67 वर्ष की उम्र में की थी। यह ग्रंथ "वृहद होली" गीत के रूप में रचा गया है।

साहित्य-लहरी

यह 118 पदों की एक लघु रचना है। इस ग्रंथ में सूरदास जी ने अपने वंश के बारे में बताया है। इस ग्रंथ के अनुसार सूरदास जी का नाम "सूरजदास" है और वे चंद बरदाई के वंश है। साहित्य-लहरी में श्रृंगार रस की प्रधानता है।

नल-दमयंती

नल-दमयंती सूरदास जी की प्रमुख रचनाओं में से एक है। यह कृष्ण भक्ति से अलग कहानी है, जिसमे बताया गया है कि जब युधिष्ठिर जुए में सब कुछ हार जाते है तो ऋषि द्वारा युधिष्ठिर को नल-दमयंती की कहानी सुनाई जाती है।

ब्याहलो

व्याहलो भी भक्ति रस से अलग एक बहुत ही बढ़िया कहानी है।

सूरदास जी से जुड़े कुछ फैक्ट

क्या सूरदास जी जन्म से अंधे थे?

सूरदास जी के जन्म से अंधे होने में बहुत मतभेद है। अगर हम ग्रंथो की बात करे तो श्री हरिराय द्वारा लिखित "भावप्रकाश" श्रीनाथ भट द्वारा लिखित "संस्कृत वार्ता "निजवार्ता" जैसे अन्य ग्रंथो के आधार पर सूरदास जी को जन्मांध कहा गया है, लेकिन उनकी रचनाओं को देखते हुए उन्हें जन्मांध कहना बहुत ही मुश्किल है।

सूरदास जी की पत्नी का क्या नाम था?

सूरदास जी अविवाहित थे।

सूरदास जी का जन्म कब हुआ था?

सूरदास जी का जन्म 1478 ईस्वी में हुआ था, लेकिन उनके जन्म और मृत्यु दोनों को लेकर विद्वानों में मतभेद है।

सूरदास जी की भाषा शैली क्या थी?

सूरदास जी की भाषा शैली ब्रज थी।

सूरदास जी किसके भक्त थे?

सूरदास जी भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे।

सूरदास के गुरु का नाम क्या था?

सूरदास के गुरु का नाम बल्लभाचार्य था।

सूरदास के पिता का क्या नाम था?

सुरदास के पिता का नाम रामदास सारस्वत था।

सूरदास का जन्मस्थान कहां है?

सूरदास का जन्मस्थान उत्तर प्रदेश के रुनकता में है यह मथुरा-आगरा के बीच में स्थित है।

सूरदास की मृत्यु कब हुई थी?

सूरदास की मृत्यु 1580 ई. में हुई। हालांकि विद्वानों में इसे लेकर मतभेद है।

सूरदास की कृतियां कौन सी है?

सूरदास की प्रमुख 5 कृतियां "सूरसागर, सूरसारावली, नल-दमयंती, व्याहलो और साहित्य-लहरी" है। इसके अलावा नाग लीला, गोवर्धन लीला, सूर पच्चीसी, पद संग्रह, आदि है।

अकबर और सूरदास की मुलाकात

महाकवि सूरदास की प्रसिध्दि इतनी अधिक फैली हुई थी कि अकबर भी सूरदास जी से खुद को मिलने से रोक नहीं पाए। अकबर की सूरदास से मुलाकात अकबर के नवरत्नों में सुमार तानसेन से मथुरा में करवाई।

यहां पर सूरदास जी के काव्य गान से अकबर बहुत खुश हुए। कही-कही पर यह भी कहा जाता है कि अकबर सूरदास से अपना यशगान करने को कहा, लेकिन सूरदास जी ने यह कहते हुए यशगान से मना कर दिया कि वे केवल प्रभु श्री कृष्ण का ही यशगान करते है।

मित्रों यह पोस्ट **Surdas Biography In Hindi** आपको कैसी लगी जरूर बतायें **Hindi Poet Surdas Biography in Hindi Language** आपको कैसी कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं और पसंद आने पर इसे शेयर भी करें।

इसे भी पढ़ें ---- **कुतुब मीनार की लंबाई कितनी है?**